Aeknowledgement

आभार

SMT. HANSA MEHTA LIBRARY

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध को साकार बनाने में उन सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त कर रही हूँ, जिनसे प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप में सहयोग मिला ।

सर्वप्रथम मैं अपनी मार्गदर्शक डॉ. राकेश जे. महीसुरी, वाद्य-संगीत विभाग, फैकल्टी ऑव् परफॉर्मिंग आर्टस्, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना चाहती हूँ, जिन्होंने शोध कार्य में मेरा मार्गदर्शन, उत्साहवर्धन और मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाया।

मैं अपने परम श्रद्धेय गुरू प्रो. वी. सी. रानाड़े जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन करना चाहूँगी, जिन्होंने सम्बन्धित विषय पर अमूल्य जानकारी प्रदान कर शोध कार्य सम्पन्न करने हेतु सार्विक सहायता एवं मार्गदर्शन किया।

स्व. पं. वी. बलसारा, श्रीमती दिपाली नाग, पं. डी. के. दातार, श्रीमती एन. राजम्, पं. अरूण भादुड़ी, पं. उल्हास कशालकर, प्रो. रॉबीन घोष, उस्ताद मशकुर अली खाँ, श्री बाबूलाल गन्धर्व, श्री रमाकान्त सन्त, श्री गौरीशंकर बैनर्जी, श्रीमती सुलया बैनर्जी, श्री विश्वजित राय चौधुरी, उस्ताद उमर फारूक आदि कलाकारों की हार्दिक आभारी हूँ, जिन्होंने शोध प्रबन्ध से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर मार्गदर्शन किया।

श्रद्धेय पण्डित ईश्वरचन्द्र (डीन, फैकल्टी ऑव् परफॉर्मिंग आर्टस), श्री नारायण भंवरिया (विभागाध्यक्ष, वाद्य-संगीत विभाग) एवं प्रो. (डॉ.) महेश चम्पकलाल (भूतपूर्व डीन) ने इस शोध प्रबन्ध प्रस्तुत हेतु मेरा उत्साह बढ़ाया। इन सभी के प्रति मेरी कृतज्ञता अक्षुण्ण है।

इस अवसर पर मैं 'Indian Council for cultural relations' (I.C.C.R) का आभार व्यक्त करती हूँ। I.C.C.R के छात्र-वृत्ति द्वारा मुझे इण्डिया में शिक्षा प्राप्त करने का सुयोग मिला।

मैं डॉ. संगीता अवस्थी का आभार व्यक्त करना चाहती हूँ, जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय देकर सम्पूर्ण शोध प्रबन्ध की भाषा को रूप देने में मेरी सहायता की।

मैं मेरे छोटे भाई तुल्य महमुदुल हसन का आभार व्यक्त करती हूँ, जिसने मुझे तथ्य संग्रह एवं प्रूफ़-शोधन करके शोध प्रबन्ध सम्पन्न करने में पूर्ण सहायता की। साथ में छोटी बहन तुल्य ऋचा शेठ का भी आभारी हूँ।

पुस्तके तथा अन्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए पुस्तकालय फैकल्टी ऑव़ परफॉर्मिंग आर्टस्, हन्सा मेहता लायब्रेरी, एम. एस. यु., पावलिक लायब्रेरी ढाका, स्टेट सेन्ट्राल लायब्रेरी कोलकाता, ग्रन्थालय रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय आदि के प्रबन्धक, पुस्तकालय अध्यक्ष एवं अन्य विभाग प्रभारियों की भी मैं आभारी हूँ, जिनके महत्त्वपूर्ण सहयोग से शोध-सामग्री व महत्त्वपूर्ण पाण्डुलिपियाँ सुलभ हो सकीं।

इस शोध प्रबन्ध सम्पन्न करते समय मैं अपने पिता श्री बाबूल भट्टाचार्जी, माता श्रीमती गौरी भट्टाचार्जी एवं बड़ी बहन श्रीमती संगीता भट्टाचार्जी के प्रति श्रद्धावान हूँ। मेरे परिवार-जनों की शुभ कामनाओं से यह शोध प्रबन्ध सम्पन्न हो सका है।

मेरे मित्रों शोयेव, बुलबुल, राहूल, नासरिन, नार्गिस एवं विजय इन सभी के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझे समय-समय पर शोध कार्य सम्बन्धित सहायता प्रदान एवं उत्साहवर्धन की।

अन्त में मैं दत्तात्रय टाईपराईटींग ईन्स्टीटयुट के कर्णधर श्री प्रभाकर जोशी का भी आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझे सम्पूर्ण शोध प्रबन्ध का अक्षर विन्यास करके सहायता की।

बड़ौदा **- शिउली भट्टाचार्जी**

अगस्त, 2008